अखिल भारतीय गांधर्व महाविद्यालय मंडल, मुंबई.

परीक्षा सत्र : नवम्बर–दिसम्बर 2023

परीक्षा का नाम : विशारद प्रथम (द्वितीय प्रश्नपत्र)

विषय : तबला-पखावज

दि. 19/11/2023 समय : 3 घंटे (दोपहर 2 से 5) कुल अंक : 75

सूचना : 1) कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।
2) सभी प्रश्न के अंक समान है ।

प्र.1. अ) निम्न प्रश्नों के जवाब दिजिए। (5x2=10)

1. झपताल / सूलताल की आडी आवर्तन में एक बार कर के सम पर आने के लिए कौन सी मात्रा से शुरु करना होगा ?

   अ) $6\frac{2}{3}$ ब) $3\frac{2}{3}$ क) $3\frac{1}{3}$

2. दादरा ताल की चौगुन करते समय मूळ / मुख्यलयके तीसरी मात्रापर निचे दी हुई कौनसी बोल आएंगे ।

   अ) तूनाधाधीं ब) नाधातूना क) धाधींनाधा

3. चौदह मात्राके तालकी कुआड लय आवर्तनमें एकही बार लिखकर समपर आना हो, तो कितने मात्राओंके बाद लेखन शुरु होगा ?

   अ) $11\frac{1}{5}$ ब) $10\frac{1}{5}$ क) $2\frac{4}{5}$

4. एकताल / चौतालके तिगुनका एक आवर्तन कितने मात्राओंमें लिखा जाएगा ?

   अ) 4 ब) 5 क) 3

5. रुपक / तेवराकी बिआड कितनी मात्राओंमें लिखी जाएगी ?

   अ) 5 ब) 4 क) 3

ब) सही(✓), गलत (X) चुनकर उसे सही कर के लिखे। (कोई पाँच) (5x1=5)

1. अजराडा घराना पुरब बाज के अंतर्गत आता है?
2. दमदार तिहाई मे दम नही लिया जाता।
3. रेला में तिरकिट / धिरधिर इन बोलों का उपयोग किया जाता है?
4. कमाली चक्रदार में 27 'धा' आते है।
5. फरद गत यह दिल्ली घराने का चलन है।
6. उ.मुनिर खाँ पंजाब घराने के महान तबला वादक थे।
7. कुदऊसिंह घराना तबला का प्रख्यात घराना है।

प्र.2. तबला / पखावज की उत्पत्ती के बारे में बताकर, वर्तमान समय में उसका स्थान और महत्त्व समझाईये। (15)

प्र.3. घराना और बाज के बारे में समझाकर, इस वर्ष के पाठ्यक्रम के अनुसार कोई एक घराने की उदाहरण के साथ विस्तृत चर्चा करे। (15)

प्र.4. (तबला विद्यार्थी)
तबला एकल वादन में पेशकार, कायदा और गत का स्थान बताकर उनकी संक्षिप्त जानकारी उदाहरण के साथ लिखिए। (6+9=15)

(पखावज विद्यार्थी)

पखावज एकल वादन में रेला, स्तुतीपरन, और बोल-बाँट का स्थान बताकर उनकी संक्षिप्त जानकारी उदाहरण के साथ लिखिए। (6+9=15)

प्र.5. दाये–बायें का संतुलन बनाने के लिए रियाज (9+6=15)
की अलग–अलग पद्धतीयाँ बताईये।
– घेतग घेतग दिनदिनागिन। (तबला विद्यार्थी)
– धिरधिर किटतक तकिट धा। (पखावज विद्यार्थी)
उपरोक्त पंकितयों में दाये–बायें के संतुलन के बारे में समझाईये।
और रियाज पद्धती समझाईये।

प्र.6. "तिटकत गदिगन धाऽतीत धाऽ" इस बोल पंक्ती ($2\frac{1}{2}$x6=15)
को लेकर निम्नलिखित तालों में एक दमदार और एक बेदम तिहाई
लिपिबद्ध करे।
– तबला के विद्यार्थी– आडाचौताल, झपताल, त्रिताल
– पखावज के विद्यार्थी– आदिताल, सूलताल, तेवरा
(कोई भी बोल ज्यादा से ले नही सकते और निकाल नही सकते)

प्र.7. निम्नलिखित विभुतीयों की जीवनी और सांगीतिक ($7\frac{1}{2}$x2=15)
योगदान के बारे में जानकारी दे। (कोई दो)
– तबला के विद्यार्थी– उ.मुनिर खाँ, पं.कंठे महाराज, उ.सलारी खाँ
– पखावज के विद्यार्थी– पं.पुरुषोत्तम दास पखावजी,
पं.सखारामजी गुरव, पं.माधवराव अलगुटकर